कानून

लोहे के पैरों में भारी बूट
कंधे से लटकती बंदूक
क़ानून अपना रास्ता पकड़ेगा
हथकड़ियां डालकर हाथों में
तमाम ताक़त से उन्हें
जेलों की ओर खींचता हुआ
गुज़रेगा विचार और श्रम के बीच से
श्रम से फल को अलग करता
रखता हुआ चीज़ों को
पहले से तय की हुई
जगहों पर
मसलन अपराधी को
न्यायाधीश की, ग़लत को सही की
और पूंजी के दलाल को
शासक की जगह पर
रखता हुआ
चलेगा
मज़दूरों पर गोली की रफ़्तार से
भूखमरी की रफ़्तार से किसानों पर
विरोध की जुबान पर
चाक़ू की तरह चलेगा
व्याख्या नहीं देगा
बहते हुए ख़ून की
क़ानून व्याख्या से परे कहा जाएगा
देखते-देखते
वह हमारी निगाहों और सपनों में
खौफ़ बनकर समा जाएगा
देश के नाम पर
जनता को गिरफ़्तार करेगा
जनता के नाम पर बेच देगा देश
सुरक्षा के नाम पर
असुरक्षित करेगा
अगर कभी वह आधी रात को
आपका दरवाज़ा खटखटाएगा
तो फ़िर समझिए कि आपका
पता नहीं चल पाएगा
ख़बरों में इसे मुठभेड़ कहा जाएगा
पैदा होकर मिल्कियत की कोख से
बहसा जाएगा
संसद में और कचहरियों में
झूठ की सुनहली पालिश से
चमकाकर
तब तक लोहे के पैरों
चलाया जाएगा क़ानून
जब तक तमाम ताक़त से
तोड़ा नहीं जाएगा.

(गोरख पांडेय की कविता)

ई एस आई अस्पतालों में मज़दूरों की आपराधिक दुर्गति

पेज एक का शेष

जबकि अस्पताल के नाम पर नई बनी इमारत में बिजली की हॉट लाइन जैसी सप्लाई के साथ-साथ नया जनरेटर भी लगा हुआ है।

वहां कभी भी बिजली जाने की शिकायत नहीं रहती। नई इमारत की बिजली लाइन को पुरानी इमारत से जोड़ने के लिए मात्र 100-150 मीटर की केबल ही डालनी है। लेकिन इसे डालना या जनरेटर को ठीक कराना तो तब हो जब प्रबन्धन अधिकारियों की प्राथमिकता नीयत हो।

साल खत्म होने को आया है लेकिन निगम से अस्पताल चलाने को मिले 60 करोड़ में से आधे भी खर्च नहीं हुए हैं। पर्याप्त मात्रा में पैसा होते हुए मज़दूरों के साथ इस तरह की हरकतें आपराधिक लापरवाही से कमतर नहीं कहीं जा सकतीं। सरकार नाम की यदि कोई चीज़ इस देश में होती तो अब तक इस आपराधिक लापरवाही एवं अकर्मण्यता के लिये जिम्मेवारी तय करके दोषियों को जेल भेज देती।

जनता का मसीहा बनने वाले भ्रष्ट सेवक

भाजपा की लहर बनाने में देश के पूंजीपति वर्ग ने जी-जान लगा दी और सरकार बन गयी। मोदी प्रधानमंत्री बन गये। केबिनेट के मंत्री व प्रधानमंत्री की संपत्ति के ब्यौरा इलैक्शन वॉच की रिपोर्ट का लेखा-जोखा प्रधानमंत्री कार्यालय में पेश किया गया है। हालाकि इलेक्श वॉच इन्हीं पूंजीपतियों व सरकार द्वारा गठित की गयी है।

5 महीने में पूर्व रेलमंत्री सदानंद गौड़ा की सम्पत्ति बढ़कर 20.36 करोड़ हो गयी जो पहले उनकी संपत्ति 9.88 करोड़ थी। केन्द्रीय मंत्री राधा कृष्णन हैं जिन्होंने लोक सभा चुनाव में 4 करोड़ 9 लाख संपत्ति जाहिर की थी अब 7 करोड़ 7 लाख बढ़कर हो गयी है। अरुण जेटली जो रक्षा व वित्त मंत्री हैं उनकी संपत्ति में 1.01 करोड़ की वृद्धि हो गयी है। इस समय वे मोदी के सबसे अमीर मंत्री हैं जिनकी सम्पत्ति बढंकर 114.03 करोड़ हो गयी है। दूसरे नम्बर पर हरसिमरत कौर बादल की सम्पत्ति 108.31 करोड़ और तीसरे नम्बर पर पीयुष गोयल 94.66 करोड़ की संपत्ति है।

सुषमा स्वराज जो विदेश मंत्री है इनकी पहले चुनाव के दौरान 17.55 करोड़ थी। अब 13.65 करोड़ है, जो घटी है। जनरल वी के सिंह 4.11 करोड़ की संपत्ति का ब्यौरा दिया था अब उनके पास 98.27 लाख रुपये की सम्पत्ति है। जिन मंत्रियों की संपत्ति में बढोत्तरी हुई इनका स्रोत क्या है ? इसके अलावा जिनकी कम हुई उन्होंने अपनी संपत्ति कहां लगा दी। इसके बारे में इलेक्शन वॉच ने यह नहीं बताया कि सम्पत्ति में घटोत्तरी-बढ़ोत्तरी कहां से हो रही है।

सच्चाई तो यह है कि भाजपा ही नहीं कांग्रेस जब सत्ता में थी तो इनके मंत्रियों की संपत्ति में बहुत इजाफ़ा हुआ। आज हर पार्टी चाहे भाजपा हो, कांग्रेस हो, बसपा, सपा या कोई और हो इन पार्टियों के नेताओं की सम्पत्ति बढ़ती ही जा रही है। अपने अनुभवों से इनके बारे में मज़दूर-मेहनतकश लोग जानते हैं कि इनके पास बंगला, कारें, रहन-सहन की चीज़ों आदि की कोई कमी नहीं है। मेहनत करने वाले लोग़ों की खून व पसीना की कमाई को पूंजीपति लूटता है। उसका एक हिस्सा इन भ्रष्ट नेताओं व मंत्रियों को देता है।

आज भाजपा सरकार श्रम कानून में फेरबदल कर रही है। जो मज़दूर गुलामों की तरह काम करने के लिए विवश होगा उसकी आवाज़ों में संघर्षों को कुचलने की साजिश रच रहे हैं तो क्यों नहीं इनकी संपत्ति में बढोत्तरी होगी। जब देश का संविधान व कानून लूट की सम्पत्ति को जायज ठहराता है। पूंजीपति वर्ग व पूंजीपति वर्ग की तमाम पार्टियां मेहनतकश-मज़दूर वर्ग की दुश्मन हैं। इनका भंडाफ़ोड़ करना होगा। मज़दूर वर्ग के संघर्षों को आगे बढाते हुए लूट पर टिकी पूंजीवादी व्यवस्था व पूंजीपति वर्ग के राज को खत्म करना होगा। ये मज़दूर वर्ग के कंधे पर है। जब तक मज़दूरों का राज समाजवाद नहीं आयेगा तब तक सत्ता में पूंजीपति व पूंजीवादी पार्टी इस पर कब्ज़ा करके रखेंगे। आइये मज़दूर राज समाजवाद के लिए संघर्ष को तेज़ करें।

-जयप्रकाश, फ़रीदाबाद

सूक्ष्म कथा: महामंत्री

जब सारे गुरुओं ने मुझे गंडा बांधने से मना कर दिया तो झक मारकर मुझे मेरे पिता जी ने आचार्य प्रवर ने गुरुकुल में भेज दिया।

आखिर जीविका-आजीविका के लिए कोई योग्यता तो अर्जीत करनी ही थी।

उनका गुरुकुल भीतर से अत्यंत आलीशान और सर्व विलास सम्पन्न था यद्यपि बाहर से बेहद दरिद्र और तपस्वी दिखायी देता।

यहां तक कि हमारी कक्षाएं खुले मैदान में ज़मीन में लगतीं।

पहले साल उन्होंने बकुल ध्यान और स्वांग के साथ थूककर चाटने की कला सिखायी।

दूसरे साल गिरगिट की तरह रंग बदलने और नीम को बबूल सिद्ध करने की कला में दक्ष किया।

तीसरे साल कड़े अभ्यास से खाल को गैंडे से भी मोटा बनाने और रंगा सियार बनकर गुर्राने में प्रवीण किया।

चौथा साल नूरा कुश्ती और घड़ियाली आंसू के नाम रहे।

अगले साल कम्बल ओढ़कर घी पीने और साबुत मछली नहीं मगरमच्छ निगल जाने की विद्या में पारंगत किया।

पंचम वर्षीय शिक्षा के अन्त में गुरु दक्षिणा स्वरूप बची-खुची अधमरी आत्मा को अपने चरणों में डलवाकर आशीर्वाद दिया...अब तुम राजनीति के लिये पूरी तरह तैयार हो।'सफल भव'।

और देखिये आज में चन्द्र लोक का महामंत्री हूं।

फार्म संख्या-2

घोषणा पत्र-नियम 3 देखें

मै सतीश कुमार, पुत्र स्वर्गीय श्री निरंजन सिंह एतद् घोषित करता हूं कि मैं ''मज़दूर मोर्चा'' पाक्षिक पत्र का स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक और सम्पादक हूं जिसे 1/डी 2 बी.पी. नियर हार्डवेयर चौक, एनआईटी फ़ररीदाबाद से प्रकाशित किया गया है। तथा उक्त समाचार पत्र के सम्बंध में जो विवरण नीचे दिया गया है, वह मेरी जानकारी और विश्वास के अनुससार सत्य है-

1.	समाचार पत्र का नाम	मज़दूर मोर्चा
2.	पत्र की भाषा	हिन्दी
3.	प्रकाशन की अवधिकता	पाक्षिक
4.	समाचार पत्र का खुदरा बिक्री मूल्य	2 रु.(दो रुपये)
5.	प्रकाशक का नाम	सतीश कुमार
	राष्ट्रीयता	भारतीय
6.	पता	1डी/ 2बी.पी. नियर हार्डवेयर चौक, एनआईटी फ़रीदाबाद
	प्रकाशन का स्थान	1डी/ 2 बी.पी. नियर हार्डवेयर चौक, एनआईटी फ़रीदाबाद
7.	मुद्रक का नाम	सतीश कुमार
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	1डी/ 2बी.पी. नियर हार्डवेयर चौक, एन आईटी फ़ारदाबाद
8.	उन मुद्रण प्रेसों का नाम जहां मुद्रण कार्य किया जाता हो तथा उन परिसर/ परिसरों का सही विस्तृत विवरण जिसमें प्रेस लगा हो-	रोनिजा प्रिंटर्स 3 बी-6 एनआईटी फ़रीदाबाद
प्रकाशक का नाम पता		सतीश कुमार 1डी/2बी.पी.नियर हार्डवेयर चौक, एनआईटी फ़रीदाबाद
नागरिकता		भारतीय

मज़दूर मोर्चा

नियमित रूप से हर माह की पहली व सोलह तारीख को प्राप्त करने के लिए अपने हॉकर से संपर्क करें। कोई दिक्कत होने पर फ़रीदाबाद के पाठक शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर तथा बल्लभगढ़ के पाठक अरोड़ा न्यूज़ एजेन्सी फोन नं 9811477204, करनाल के पाठक अशोक कुमार जैन, फुटवियर जवाहर मार्किट सदर बाजार से फोन नं 9896436739 पर सम्पर्क करें।

फरीदाबाद में अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीनल सैंटर केसी रोड, एनएच-5,
2. प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,
4. रैंक, 45 नीलम चौक,
5. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,
6. राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,